

ग्लौकोमा

(काँचबिंद) से सावधान...

☎ 9644099923, 0771-4037979

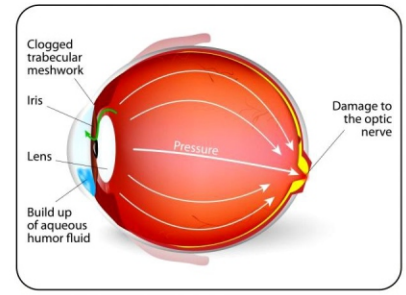
📍 छोटी लाइन ओवर ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर, (छ.ग.)

☎ 7440777771, 9644404741

📍 A/32, नंदनी रोड, पावरहाउस, उत्तम टॉकिज के सामने, भिलाई, (छ. ग.)

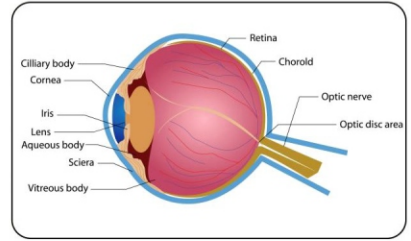
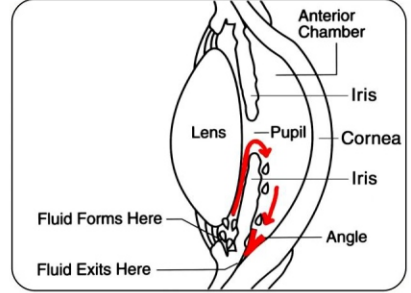
ग्लौकोमा (काँचबिंद) क्या है ?

ग्लौकोमा (काँचबिंद) आँख के अंदर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आँखों का तनाव (Pressure) धीरे-धीरे बढ़ता है और धीरे-धीरे यह Optic Nerve को नुकसान पहुंचाता है। अतः परिणामस्वरूप नजर धीरे-धीरे बंद हो जाती है।



ग्लौकोमा (काँच बिंद) कैसे होता है ?

आँखों के अंदर लगातार Aqueous Humour नामक तरल प्रवाहित होते रहता है। आँखों की निश्चित आकृति बनाये रखने के लिए निश्चित मात्रा का Aqueous Humour तैयार होते रहता है और उसी मात्रा में आँखों से बाहर निकलते रहता है यदि बाहर निकलने का रास्ता किसी वजह से बंद हो जाता है तो आँखों के अंदर तरल की मात्रा बढ़ने से आँखों का तनाव (Pressure) बढ़ जाता है। ये तनाव सीधा Optic Nerve को नुकसान पहुंचाकर धीरे-धीरे नजर बंद कर देता है। अगर सही समय पर इलाज न किया जाये, तो व्यक्ति हमेशा के लिए अंधा हो सकता है।



ग्लौकोमा (काँच बिंद) के प्रकार

ग्लौकोमा दो प्रकार के होते हैं -

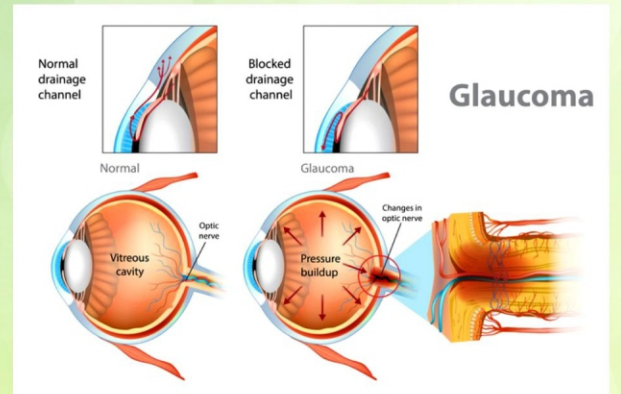
1. शांत ग्लौकोमा (Open Angle Glaucoma)

इस प्रकार की ग्लौकोमा लोगों में अधिकतर होता है। इसमें बिल्कुल दर्द नहीं होता है और धीरे-धीरे नजर कम हो जाता है। इसमें आँखों की अवस्था सामान्य दिखता है, परंतु आँखों के अंदर नली से Aqueous humour ठीक से बाहर नहीं निकल पाता है और आँखों का तनाव बढ़ जाता है।

2. उग्र ग्लौकोमा (Closed Angle Glaucoma)

आइरिस और कार्निया के बीच का रास्ता कम या संकरा हो जाने से वहाँ से निकलने वाला नहीं Aqueous humour नहीं निकल पाता है, जिसकी वजह से आँखों में तनाव उत्पन्न होता है। जिसके कारण आँखों के अंदर का तनाव बढ़ जाता है। अतः परिणामस्वरूप आँखों में दर्द, कम दिखाई देना, सिरदर्द तथा उल्टी की शिकायतें उत्पन्न होती हैं।

आँखों का तनाव बढ़ने से Optic Nerve को धीरे-धीरे नुकसान होती है। इसमें मरीज की सामने की नजर साफ रहती है, लेकिन साइड से नजर कम होते जाती है। अगर मरीज सही समय पर इलाज नहीं करता है, तो अचानक साइड से नजर कम हो गई ऐसा वह अनुभव करता है। मरीज को लगता है कि वह किसी ट्यूब या पाइप से देख रहा है और यह समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ते जाता है।



EXTREME GLAUCOMA

ADVANCED GLAUCOMA

NORMAL VISION

EARLY GLAUCOMA



ग्लौकोमा (काँच बिंद) का शिकायत किसको हो सकता है ?

- 45 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को।
- अपने परिवार में किसी को होने से।
- बी.पी. या डायबिटीज के मरीज को।
- अधिक दूरदृष्टि दोष और अधिक निकट दृष्टिकोण के मरीजको।
- आँख के अंदर तनाव अधिक होने से।

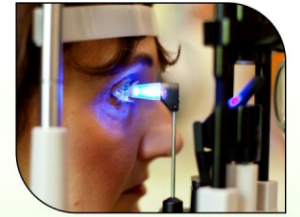


ग्लौकोमा (काँच बिंद) पता करने की विधि

प्रतिदिन के परीक्षण से हम ग्लौकोमा का पता लगा सकते हैं। बढ़ते हुए ग्लौकोमा का पता लगाने के लिए प्रायः पाँच प्रकार के परीक्षण किये जाते हैं-

1. टोनोमेट्री

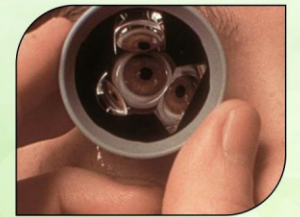
" गोल्डमैन ऐप्लेनेशन टोनोमेट्री " के द्वारा आँखों के अंदर का तनाव मापते हैं। यह तनाव मापने का उच्च स्तरीय तरीका होता है।



टोनोमेट्री

2. गोनियोस्कोपी

इस जाँच के द्वारा आँखों के अंदर जिस जगह से Aqueous humour निकलता है, उस जगह को देख सकते हैं। 4 मिरर गोनियोस्कोप यह जाँच करने का उत्कृष्ट उपकरण है।



गोनियोस्कोपी

3. ऑप्टल्मोस्कोपी

इस जाँच के द्वारा आँख के Optic Nerve के बदलाव को देख सकते हैं।



पैरीमेट्री

4. पैरीमेट्री

जब नजर की सामान्य जाँच की जाती है, तो केन्द्रीय नजर की जाँच होती है। राऊंड नजर, जो ग्लौकोमा में सबसे अधिक प्रभावित होता है, इसी को जाँच करने के लिए "पैरीमेट्री " नामक मशीन का उपयोग किया जाता है।



ओ.सी.टी.

5. ओ.सी.टी.

इसके द्वारा Optic Nerve Fiber की मोटाई का फोटोग्राफ लेते हैं, ताकि अगली बार तुलना कर सके।

ग्लौकोमा (काँचबिंद) का रोकथाम कैसे संभव है ?

यद्यपि ग्लौकोमा का कोई इलाज नहीं है, परंतु इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। यदि ग्लौकोमा के कारण दृष्टि चली गई है तो उसे वापस नहीं लाई जा सकती है। ग्लौकोमा के शुरुआत में ही उसका जाँच कर उपचार किया जाये तो बची हुई दृष्टि को बचाया जा सकता है।

ग्लौकोमा के उपचार के लिए मुख्यतः तीन तरीके अपनाये जाते हैं -



दवाई का प्रयोग



लेज़र



सर्जिकल

ग्लौकोमा के उपचार में मरीज का योगदान-

आँखों की दृष्टि जाने से पहले ही मरीज को स्वयं जल्द-से-जल्द इसकी जाँच करनी चाहिए तभी इस बीमारी को रोका जा सकता है। इस बीमारी से बचने के लिए साल में एक बार नेत्र विशेषज्ञ से जाँच अवश्य करानी चाहिए।

यदि एक बार ग्लूकोमा हो जाये, तो हमें पूरी उम्र देखभाल करने की आवश्यकता पड़ती है। इससे बचने के लिए यह जरूरी है कि हम नेत्र विशेषज्ञ द्वारा बताई हुई दवाई का प्रतिदिन सेवन करें और नेत्र विशेषज्ञ के पास आँखों की नियमित जाँच कराते रहें।

याद रखें...

- ☞ ग्लौकोमा बिना किसी आगाह के नजर धीरे - धीरे कम करता है।
- ☞ आँखों की दृष्टि खोने से पहले ही जाँच एवं उपचार शुरू कर देना चाहिए।
- ☞ ग्लूकोमा से बचने का सही तरीका यह है कि हम आँखों की लगातार जाँच कराते रहें।
- ☞ ग्लूकोमा (काँचबिंद), मोतियाबिंद जैसा नहीं हैं। इसमें चली गई दृष्टि को ऑपरेशन एवं लेज़र के द्वारा भी वापस नहीं लाया जा सकता।

विश्वस्तरीय नेत्ररोग सुविधाएं

- बिना इंजेक्शन मोतियाबिंद ऑपरेशन (टॉपीकल फेको) ड्राप से शून्य करके।
- फेको द्वारा बिना टांके मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण।
- लेसिक लेजर द्वारा चश्मे का नंबर हटाने की सुविधा।
- डिजिटल नेत्र परिक्षण।
- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर हेतु लेजर सुविधा।
- आँख की प्लास्टिक सर्जरी एवं एंजियोग्राफी।
- B - Scan आँखों की सोनोग्राफी।
- O.C.T . आँख के नस (Optic Nerve) के फोटोग्राफ हेतु।
- पैरामेट्री जांच काला मोतियाबिंद के लिए।

आँखों की सभी प्रकार की बीमारियों का अत्याधुनिक मशीनों द्वारा ऑपरेशन एवं लेजर की सुविधा

